भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
09.08.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3394 का उत्तर

रेलवे पटरियों का दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य

3394. श्री कृपाल बालाजी तुमाने:
श्रीमती भावना गवली (पाटील):

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश भर में रेलवे पटरियों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्यों के लिए कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) देश में विशेष रूप से महाराष्ट्र में पिछले आठ वर्षों के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान उक्त परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार द्वारा आवंटित और जारी किए गए धन का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या इनमें से कई परियोजनाएं लंबित हैं और उन्हें पूरा होने में काफी समय लग रहा है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ङ) इन परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है; और
(च) इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए रेलवे द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

रेलवे पटरियों का दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य के संबंध में दिनांक 09.08.2023 को लोक सभा में श्री कृपाल बालाजी तुमाने और श्रीमती भावना गवली (पाटील) के अतारांकित प्रश्न सं. 3394 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेल परियोजनाएं राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत/निष्पादित की जाती हैं क्योंकि भारतीय परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती है। 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, पूरे भारतीय रेल में 2.70 लाख करोड़ रुपये लागत की 20,296 कि.मी. कुल लंबाई की 231 दोहरीकरण परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 5,455 किमी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2023 तक लगभग 1.03 लाख करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 84,070 करोड़ रुपये लागत की 32,951 कि.मी. लंबाई की 191 रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाएं स्वीकृत हैं जिनमें से 26,847 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2023 तक लगभग 37,319 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं।

पिछले आठ वर्षों (अर्थात् वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2022-23 और चालू वित्त वर्ष 2023-24), पूरे भारतीय रेल में 1,34,097 करोड़ रुपये लागत की 13,428 कि.मी. कुल लंबाई की 200 दोहरीकरण परियोजनाएं और 63,882 करोड़ रु. लागत की 206 रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

महाराष्ट्र :

पिछले आठ वर्षों (अर्थात् वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2022-23 और चालू वित्त वर्ष 2023-24), महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 18,357 करोड़ रुपये लागत की 2,198 कि.मी. कुल लंबाई की 14 दोहरीकरण परियोजनाएं और 3,616 करोड़ रु. लागत की 18 रेलवे विद्युतिकरण परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारतीय रेल के मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे जोन के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in>Ministry of Railways>RailwayBoard>About Indian Railways>RailwayBoardDirectorates>Finance(Budget)>RailBudget>pinkBook(year)>Rail

ways-wise Works, Machinery & Rolling Stock Programme(RSP) पर सार्वजनिक डोमेन पर उपलब्ध है।

2014 से, भारतीय रेल में निधि आवंटन और परियोजनाओं की तदनुरूपी कमिशिनिंग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन निम्नलिखित हैः

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आवंटन की तुलना में अधिक प्रतिशत
2009-14	1171 करोड़/वर्ष	-
2014-23	6493 करोड़/वर्ष	454.5 % अधिक
2023-24	13539 करोड़	1056.2% अधिक

2014-23 के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले 1,472 कि.मी. खंडों (147 कि.मी. नई लाइन, 136 कि.मी. आमान परिवर्तन और 1189 कि.मी. दोहरीकरण) को 163.56 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से कमीशन कर दिया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक कमीशिनिंग (58.4 कि.मी. प्रति वर्ष) से 180% अधिक है।

भारतीय रेल

पूरे भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है :-

वर्ष	बजट आवंटन (करोड़ रू. में)
2018-19	30196
2019-20	39836
2020-21	43626
2021-22	56716
2022-23	67001
2023-24	67199

पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:-

वर्ष	बजट आवंटन (करोड़ रू. में)
2018-19	6320
2019-20	6960
2020-21	6326
2021-22	7542
2022-23	7770
2023-24	8070

(घ) और (ङ): रेल परियोजना(ओं) का पूरा होना विभिन्न कारकों जैसे राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, संबंधित विभागों, राज्य सरकार/मंत्रालयों से मंजूरी, लागत साझा परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा साझा लागत जमा करना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना(ओं) स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, राज्य विद्युत इकाइयों उपयोगिताओं द्वारा पारेषण लाइन कार्यों को पूरा करना और निष्पादन के दौरान कानून एवं व्यवस्था संबंधी मुद्दों का समाधान आदि पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना(ओं) के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार परियोजनाओं को पूरा करने की निश्चित समय-सीमा का पता इस स्तर पर नहीं लगाया जा सकता है।

(च): रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों में (i) रेल मंत्रालय में गति शक्ति निदेशालय और मंडलों में गति शक्ति

इकाइयों को स्थापित करना (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करना (iii) निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की प्रगति की गहन निगरानी और (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुरोध करना शामिल है और इससे परियोजनाओं को कमीशन करने की गति में वृद्धि हुई है।

*****